करियर शीट · CAREER SHEET

Boutique & Tailoring Unit Owner

सिलाई मशीन पर काम करना एक बात है; अपनी सिलाई की दुकान या बुटीक चलाना दूसरी। यहाँ आप सिर्फ़ सिलते नहीं — नाप लेते हैं, कपड़ा और डिज़ाइन सुझाते हैं, दाम तय करते हैं, तारीख़ देते हैं और उसे निभाते हैं। शादी-ब्याह के मौसम में काम एक...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/boutique-tailoring-unit

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

सिलाई मशीन पर काम करना एक बात है; अपनी सिलाई की दुकान या बुटीक चलाना दूसरी। यहाँ आप सिर्फ़ सिलते नहीं — नाप लेते हैं, कपड़ा और डिज़ाइन सुझाते हैं, दाम तय करते हैं, तारीख़ देते हैं और उसे निभाते हैं। शादी-ब्याह के मौसम में काम एक साथ आता है, और बाक़ी महीनों में स्कूल यूनिफ़ॉर्म, अल्टरेशन और रोज़ के कपड़े चलते रहते हैं। राजस्थान के गाँवों और क़स्बों में यह उन थोड़े-से रास्तों में है जो घर के पास रहकर, अपनी शर्तों पर और अपने समय पर चलाया जा सकता है — इसीलिए यह बहुत-सी महिलाओं का पहला अपना काम बनता है। एक मशीन से शुरू होकर यह दो-चार मशीनों की इकाई तक जा सकता है, जहाँ आप ख़ुद किसी और को काम देते हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	कोई तय शर्त नहीं; सिलाई का कौशल ज़रूरी (कक्षा 8/10 से कोर्स आसान)
प्रशिक्षण अवधि	लगभग 2–6 माह का कौशल कोर्स (सरकारी योजनाओं में निःशुल्क)
शुरुआती पूँजी	एक मशीन से शुरू; मुद्रा ऋण व पी.एम.ई.जी.पी. से मदद
कमाई	प्रति कपड़ा सिलाई पर — मौसम के साथ घटती-बढ़ती है

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- कपड़े, रंग, डिज़ाइन और कढ़ाई में रुचि
- अपने ग्राहक ख़ुद बनाना और अपना काम ख़ुद चलाना
- हाथ से कुछ बनाकर उसे पूरा होते देखना

क्षमताएँ

- हाथ की सफ़ाई और नाप में सटीकता — आधा इंच भी दिखता है
- समय का हिसाब — दिया हुआ दिन निभाना इस काम की साख है
- धैर्य और सफ़ाई से काम पूरा करने की आदत

ज़रूरी कौशल

- नाप लेना, कटाई और फ़िटिंग
- सिलाई मशीन, ओवरलॉक और इंटरलॉक चलाना व छोटी-मोटी मरम्मत
- सलवार-सूट, ब्लाउज़, कुर्ती, स्कूल यूनिफ़ॉर्म और अल्टरेशन
- कढ़ाई, फ़ॉल-पिको और फ़िनिशिंग
- कपड़े और सामान की ख़रीद, लागत जोड़ना और दाम तय करना
- ग्राहक का हिसाब, बयाना और तारीख़ का रिकॉर्ड रखना
- व्हाट्सऐप पर नमूने दिखाकर ऑर्डर लेना

4 कैसे पहुँचें

1. सिलाई सीखिए — आर.एस.एल.डी.सी., जन शिक्षण संस्थान या पी.एम.के.वी.वाई. के कोर्स निःशुल्क हैं और अक्सर वज़ीफ़ा भी देते हैं।
2. कुछ महीने किसी चालू दुकान या बुटीक पर काम कीजिए। नाप, फ़िटिंग और ग्राहक से बात करना वहीं आता है।
3. घर से एक मशीन पर शुरुआत कीजिए — अल्टरेशन और आसपास के ऑर्डर से। पहले ग्राहक बनाइए, फिर दुकान लीजिए।
4. उद्यम पंजीकरण कीजिए। यह निःशुल्क है — इसके लिए किसी को पैसे मत दीजिए।
5. पूँजी चाहिए तो मुद्रा ऋण (शिशु/किशोर) या पी.एम.ई.जी.पी. देखिए; पी.एम.ई.जी.पी. में मार्जिन मनी सब्सिडी मिलती है।
6. काम बढ़े तो एक-दो मशीनें और जोड़िए और किसी को काम पर रखिए — यहीं से यह इकाई बनती है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- कोई प्रतियोगी परीक्षा नहीं। कौशल कोर्स के अंत में सेक्टर स्किल काउंसिल का मूल्यांकन व प्रमाणन होता है, जो नौकरी और ऋण दोनों में काम आता है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर व ज़िला केंद्र (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण — ज़िला स्तर (https://jss.gov.in/)
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) — अखिल भारतीय (https://www.pmkvyofficial.org/)
- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) — सिलाई प्रौद्योगिकी — ज़िला स्तर (https://dsde.rajasthan.gov.in/)

फ़ीस

सरकारी योजनाओं (आर.एस.एल.डी.सी., पी.एम.के.वी.वाई., जे.एस.एस.) के तहत सिलाई का प्रशिक्षण निःशुल्क है और कई जगह वज़ीफ़ा भी मिलता है। निजी संस्थानों के कोर्स लगभग ₹3,000–15,000 तक हो सकते हैं। असली ख़र्च मशीन और सामान का है — एक साधारण मशीन से शुरुआत हो सकती है, और ओवरलॉक व इंटरलॉक बाद में जोड़े जा सकते हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (शिशु/किशोर ऋण) (https://www.mudra.org.in/)
- पी.एम.ई.जी.पी. — मार्जिन मनी सब्सिडी (https://www.kviconline.gov.in/pmegpeportal/pmegphome/index.jsp)
- उद्यम पंजीकरण (निःशुल्क) (https://udyamregistration.gov.in/)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

अपने घर का एक कमरा, या बाज़ार में एक छोटी दुकान। ग्राहक आसपास के ही होते हैं — मोहल्ला, गाँव, स्कूल और शादी वाले घर।

कार्य-संस्कृति

काम मौसम के साथ चलता है। शादी-ब्याह और त्योहारों में रातें छोटी पड़ती हैं, और उसके बाद कुछ महीने हल्के रहते हैं। समय अपना होता है, पर तारीख़ ग्राहक की होती है।

कौन नौकरी देता है

- स्वयं की सिलाई दुकान या बुटीक (अपना काम)
- किसी चालू बुटीक या दर्जी की दुकान पर, सीखने और जमने के लिए
- घर से काम — अल्टरेशन, स्कूल यूनिफ़ॉर्म और मोहल्ले के ऑर्डर
- स्वयं सहायता समूह या उत्पादक समूह के साथ मिलकर बड़े ऑर्डर

माँग (2026)

कपड़े हर घर में सिलते-मरम्मत होते हैं, और गाँव-क़स्बे में यह काम कभी बंद नहीं होता। तैयार कपड़ों के बाज़ार ने साधारण सिलाई की माँग ज़रूर घटाई है, पर नाप के कपड़े, ब्लाउज़, अल्टरेशन, स्कूल यूनिफ़ॉर्म और शादी के काम में मशीन से बनी चीज़ जगह नहीं ले पाई। जिनके पास डिज़ाइन की समझ और अच्छी फ़िनिशिंग है, उनका काम कभी ख़ाली नहीं रहता। ईमानदारी से यह भी कहना ज़रूरी है कि पहले साल आमदनी धीमी रहती है — साख बनने में समय लगता है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सीखने वाला / सहायक — किसी दुकान या बुटीक पर
2. घर से एक मशीन पर अपना काम
3. बाज़ार में अपनी दुकान या बुटीक
4. कई मशीनों की इकाई — दूसरों को काम देना, थोक व स्कूल यूनिफ़ॉर्म के ऑर्डर

कमाई

शुरुआत	पहले साल कम — ग्राहक बनने में समय लगता है
मध्य स्तर	प्रति कपड़ा दर × महीने के ऑर्डर
वरिष्ठ स्तर	इकाई बनने और थोक ऑर्डर पर काफ़ी अधिक

यहाँ वेतन नहीं होता, इसलिए कोई एक आँकड़ा देना ग़लत होगा। कमाई तीन बातों से बनती है — हर कपड़े की सिलाई दर, महीने में कितने ऑर्डर आते हैं, और मौसम। शादी और त्योहार के महीने सबसे अच्छे रहते हैं। कपड़ा, धागा, बिजली, मशीन की मरम्मत और किराया घटाकर ही असली आमदनी निकालिए।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- घर के पास, अपने समय पर — बाहर जाने की ज़रूरत नहीं
- बहुत कम पूँजी से शुरू हो सकता है, एक मशीन से भी
- कौशल आपका अपना है — वह किसी नौकरी के साथ नहीं जाता
- काम बढ़े तो आप ख़ुद किसी और को रोज़गार दे सकते हैं

चुनौतियाँ

- आमदनी मौसम के साथ ऊपर-नीचे होती है; कोई पक्का वेतन नहीं
- लंबे समय झुककर बैठने से कमर, गर्दन और आँखों पर असर
- तैयार कपड़ों की होड़ — सिर्फ़ साधारण सिलाई पर टिकना मुश्किल है
- ग्राहक की तारीख़ चूकना साख को सबसे ज़्यादा नुक़सान पहुँचाता है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/
2. जन शिक्षण संस्थान (JSS) — निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण — https://jss.gov.in/
3. उद्यम पंजीकरण — सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय — https://udyamregistration.gov.in/
4. पी.एम.ई.जी.पी. — खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग — https://www.kviconline.gov.in/pmegpeportal/pmegphome/index.jsp
5. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना — https://www.mudra.org.in/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in